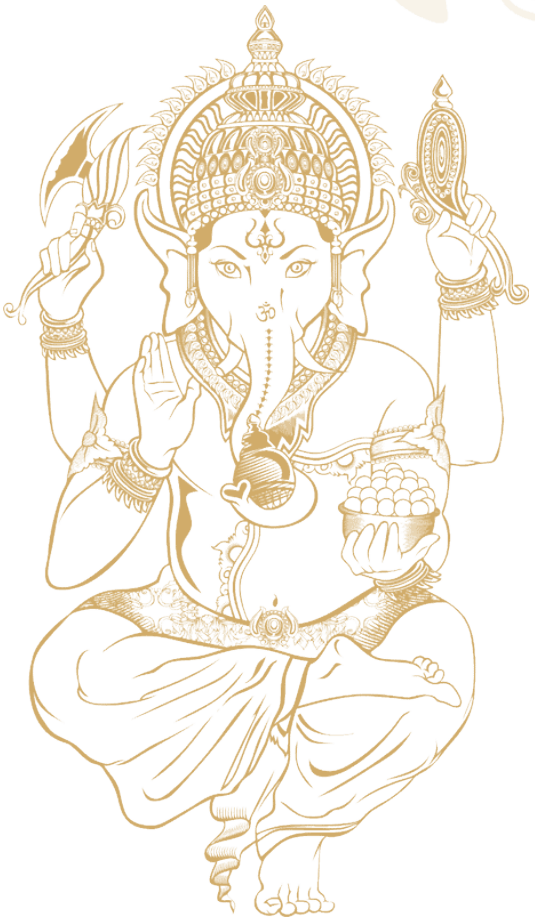

Mr.darpan puri

Ms.niralin

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119712506

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/11/1998	जन्म तिथि	14/03/1997
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 19:16:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 31:46:28	जन्म समय(घटी)	38:10:01 घटी
India	देश	India
Hardwar	स्थान	Panipat
29:58:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:33:24	सूर्योदय	06:33:36
17:28:23	सूर्यास्त	18:29:35
23:50:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 5वर्ष 3मा 3दि		19:33:56	वृष	लग्न	तुला	13:30:55	चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि	
मंगल		18:05:51	तुला	सूर्य	मीन	00:18:34	राहु	
07/02/2020		23:09:39	मेष	चंद्र	वृष	14:39:34	15/09/2010	
07/02/2027		23:00:47	सिंह	मंगल व	कन्या	03:59:09	15/09/2028	
मंगल	05/07/2020	09:54:37	वृश्चि	बुध	मीन	03:12:44	राहु	28/05/2013
राहु	24/07/2021	24:27:39	कुंभ व	गुरु	मक	17:52:22	गुरु	22/10/2015
गुरु	30/06/2022	19:27:53	तुला	शुक्र	कुंभ	25:32:16	शनि	28/08/2018
शनि	08/08/2023	05:23:29	मेष व	शनि	मीन	14:24:21	बुध	16/03/2021
बुध	05/08/2024	04:37:06	सिंह व	राहु	कन्या	04:56:01	केतु	04/04/2022
केतु	01/01/2025	04:37:06	कुंभ व	केतु	मीन	04:56:01	शुक्र	04/04/2025
शुक्र	03/03/2026	15:05:28	मक	हर्ष	मक	13:27:11	सूर्य	26/02/2026
सूर्य	09/07/2026	05:42:25	मक	नेप	मक	05:30:52	चन्द्र	28/08/2027
चन्द्र	07/02/2027	13:05:49	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	मंगल	15/09/2028

लग्न-चलित

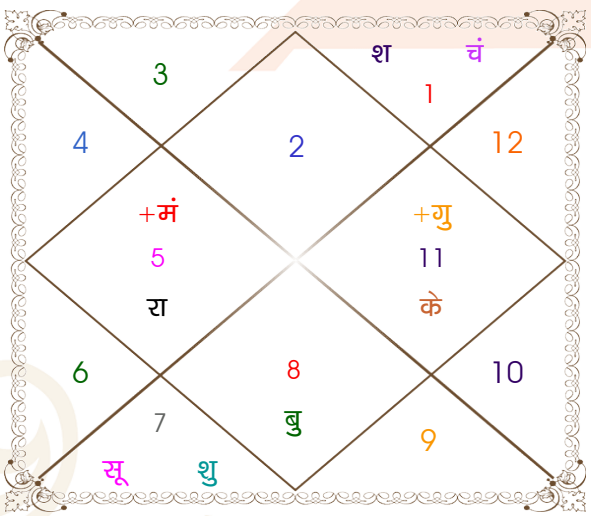

लग्न-चलित

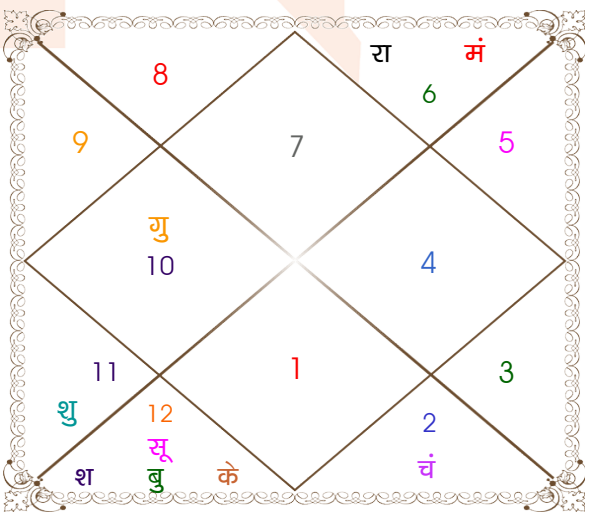

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.darpan puri का वर्ग मृग है तथा Ms.niralin का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.darpan puri और Ms.niralin का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.darpan puri मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr.darpan puri कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.niralin मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.niralin कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.niralin कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.niralin कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr.darpan puri कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.darpan puri तथा Ms.niralin में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।